पंजाब केसरी
FRI,13 DECEMBER 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 4

महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के उपलक्ष्य में 'भारतीय भाषा उत्सव' का आयोजन

भारतीय भाषाओं को शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर शामिल करना जरूरी : प्रो. सुदेश

गोहाना, 12 दिसम्बर (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के कला एवं भाषा संकाय द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) के दिशा-निर्देशों के अनुसार महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के उपलक्ष्य में 'भारतीय भाषा उत्सव' का आयोजन किया गया।

महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने कहा कि छात्राओं को अपनी जड़ों और भारतीय परंपराओं व सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ना चाहिए। भारत की भाषाई और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए भारतीय भाषाओं को शिक्षा के सभी स्तरों में शामिल करना आवश्यक है।

कला एवं भाषा संकाय के डीन प्रो. अशोक वर्मा ने 'भारतीय भाषा उत्सव' के आयोजन के उद्देश्य एवं उसकी महत्ता से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि भाषा विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती को मनाया जाता है। उन्होंने भाषा की शुचिता बरकरार रखने की जरूरत पर बल दिया।

भारतीय भाषा उत्सव में उपस्थित प्राध्यापक और छात्राएं। (अरोड़ा)

भारत की विविध भाषाई परंपराएं राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहित करती हैं : प्रो. गीता फोगाट

हिंदी, संस्कृत एवं अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष प्रो. गीता फोगाट ने इस वर्ष के भारतीय भाषा उत्सव के थीम 'भाषाओं के माध्यम से एकता' की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह थीम दर्शाता है कि भारत की विविध भाषाई परंपराएं राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहित करती हैं और एक सामंजस्यपूर्ण समाज का निर्माण करती हैं।

प्रो. रवि भूषण ने महाकवि सुब्रमण्यम भारती के जीवन एवं भाषा विकास में उनके योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह उत्सव छात्राओं को भारतीय भाषाओं की समृद्धि को समझने और एक भाषाई रूप से जागरूक और सांस्कृतिक रूप से समावेशी पीढ़ी के निर्माण में योगदान देने का अवसर प्रदान करता है। शोधार्थी अनीश ने अंग्रेजी के बढ़ते प्रयोग के चलते युवा पीढ़ी में हिंदी के प्रति घटते रूझान पर चिंता जाहिर की। इस अवसर पर डॉ. सुकीर्ति, प्रो. अमृता, डॉ. अजीत सिंह, बबीता एवं डॉ. पल्लवी सहित हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के शोधार्थी एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

वी.सी. ने वैश्विक गीता पाठ में ऑनलाइन लिया हिस्सा

गोहाना (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में गीता जयंती के अवसर पर कुरुक्षेत्र के थीम पार्क में आयोजित वैश्विक गीता पाठ में ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। 'एक मिनट एक साथ गीता पाठ' नामक इस वैश्विक गीता पाठ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद सहित अन्य गण्यमान्य हस्तियों ने शिरकत की।

वी.सी. प्रो. सुदेश।

प्रो. सुदेश ने विश्वविद्यालय के हितधारकों के नाम अपने संदेश में कहा कि भगवद् गीता का संवाद भगवान श्री कृष्ण और अर्जुन के बीच कुरुक्षेत्र की युद्ध भूमि पर हुआ था। उन्होंने कहा कि जीवन के हर पहलू से जुड़ी हुई गीता हमें धर्म, कर्म, योग, भक्ति और भला-बुरा समझने में मदद करती है। गीता जयंती का महत्व इस बात में है कि हम अपने जीवन को गीता के उपदेशों के अनुसार सही दिशा दे सकें।

उल्लेखनीय है कि इस आयोजन में 18 हजार बच्चों ने एक स्थान पर बैठकर गीता के मंत्रों का उच्चारण किया और पूरे विश्व भर में लगभग डेढ़ करोड़ लोगों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। यह वैश्विक गीता पाठ बंगलादेश में हिन्दुओं की रक्षा और मंदिरों की सुरक्षा के लिए समर्पित रहा।

महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती पर कार्यक्रम

गोहाना | खानपुर कलां गांव में स्थित बीपीएस महिला विवि में गुरूवार को महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय भाषा उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन विवि के कला एवं भाषा संकाय द्वारा यूजीसी के निर्देशानुसार किया गया। विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि भारत की भाषाई और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए भारतीय भाषाओं को शिक्षा के सभी स्तरों में शामिल करना आवश्यक है। हिंदी, संस्कृत एवं अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. गीता फोगाट ने भारतीय भाषा उत्सव के थीम भाषाओं के माध्यम से एकता की जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. सुकीर्ति, प्रो. अमृता, डॉ. अजीत सिंह, बबीता एवं डॉ. पल्लवी आदि उपस्थित थे।

हमारे जीवन के हर पहलू से जुड़ी है गीता : प्रो. सुदेश

गोहाना | खानपुर कलां गांव में स्थित बीपीएस महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में आयोजित वैश्विक गीता पाठ में ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि भगवद गीता का संवाद भगवान श्री कृष्ण और अर्जुन के बीच कुरुक्षेत्र की युद्ध भूमि पर हुआ था। गीता हमारे जीवन के हर पहलू से जुड़ी हुई है। गीता हमें धर्म, कर्म, योग, भक्ति को समझने में मदद करती है। गीता कर्म को अधिक महत्व देती है। हमें अपने कर्म धर्म के अनुसार करने चाहिए। उन्होंने छात्राओं को गीता के उपदेशों को अपने जीवन में धारण करने का भी संदेश दिया।

जीवन के हर पहलू से जुड़ी हुई है गीता

गोहाना। गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में आयोजित वैश्विक गीता पाठ में ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि श्रीमद्भागवत गीता का संवाद भगवान श्री कृष्ण और अर्जुन के बीच कुरुक्षेत्र की युद्ध भूमि पर हुआ था।

कुलपति प्रो. सुदेश ने बताया कि जीवन के हर पहलू से जुड़ी गीता हमें धर्म, कर्म, योग, भक्ति और भला-बुरा समझने में मदद करती है। गीता जयंती का महत्व इस बात में है कि हम अपने जीवन को गीता के उपदेशों के अनुसार सही दिशा दे सकें।

आयोजन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल सहित अन्य ने शिरकत की थी। इस आयोजन में 18 हजार बच्चों ने एक स्थान पर बैठकर गीता के मंत्रों का उच्चारण किया और विश्व में करीब डेढ़ करोड़ लोगों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। संवाद

भारतीय भाषाओं को शिक्षा में शामिल करना आवश्यक

सोनीपत के गांव खानपुर कलां स्थित बीपीएस महिला विवि में आयोजित भारतीय भाषा उत्सव के दौरान प्राध्यापक एवं छात्राएं। स्रोत : विवि

गोहाना। गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह (बीपीएस) महिला विश्वविद्यालय में महाकवि सुब्रह्मण्य भारती की जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया गया।

यह आयोजन विवि के कला एवं भाषा संकाय की तरफ से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशा निर्देश पर किया गया है। विवि कुलपति प्रो. सुदेश ने बताया कि भारत की भाषाई व सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए भारतीय भाषाओं को शिक्षा के सभी स्तरों में शामिल करना आवश्यक है। कला एवं भाषा संकाय के डीन प्रो. अशोक वर्मा ने भारतीय भाषा उत्सव के आयोजन के उद्देश्य व महत्ता से अवगत करवाया। प्रो. गीता फोगाट ने बताया कि थीम दर्शाती है कि भारत की विविध भाषाई परंपराएं राष्ट्रीय एकता को कैसे प्रोत्साहित करती हैं। प्रो. रवि भूषण ने बताया कि यह उत्सव छात्राओं को भारतीय भाषाओं की समृद्धता को समझने का काम करता है। साथ ही एक भाषाई रूप से जागरूक और सांस्कृतिक रूप से समावेशी पीढ़ी के निर्माण में योगदान देने का अवसर प्रदान करता है। संवाद

जीवन को गीता के उपदेश अनुसार सही दिशा दें : प्रो. सुदेश

जासं, गोहाना : खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में आयोजित वैश्विक गीता पाठ में आनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि भागवद गीता का संवाद भगवान श्री कृष्ण और अर्जुन के बीच कुरुक्षेत्र की युद्ध भूमि पर हुआ था। उन्होंने कहा कि जीवन के हर पहलू से जुड़ी हुई गीता हमें धर्म, कर्म, योग, भक्ति, और भला-बुरा समझने में मदद करती है। कुलपति ने कहा कि गीता जयंती का महत्व इस बात में है कि हम अपने जीवन को गीता के उपदेशों के अनुसार सही दिशा दे सकें।

इस आयोजन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद सहित अन्य गणमान्य हस्तियों ने शिरकत की।

अपने जीवन को गीता के उपदेशों के अनुसार दें सही दिशा: प्रो. सुदेश

खानपुर कलां, चेतना संवाददाता। भगत फूल सिंह महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में गीता जयंती के अवसर पर कुरुक्षेत्र के थीम पार्क में आयोजित वैश्विक गीता पाठ में ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। 'एक मिनट एक साथ गीता पाठ' नामक इस वैश्विक गीता पाठ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद सहित अन्य गणमान्य हस्तियों ने शिरकत की। कुलपति प्रो. सुदेश ने विवि हितधारकों के नाम अपने संदेश में कहा कि जीवन के हर पहलू से जुड़ी हुई गीता हमें धर्म, कर्म, योग, भक्ति, और भला-बुरा

समझने में मदद करती है। कुलपति ने कहा कि गीता जयंती का महत्व इस बात में है कि हम अपने जीवन को गीता के उपदेशों के अनुसार सही दिशा दे सकें।

उल्लेखनीय है कि इस आयोजन में 18 हजार बच्चों ने एक स्थान पर बैठकर गीता के मंत्रों का उच्चारण किया और पूरे विश्व भर में लगभग डेढ़ करोड़ लोगों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। यह वैश्विक गीता पाठ बांग्लादेश में हिन्दुओं की रक्षा और मंदिरों की सुरक्षा के लिए समर्पित रहा।

भिवानी, शुक्रवार, 13 दिसम्बर 2024

महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय भाषा उत्सव आयोजित

भारत की भाषाई और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में भारतीय भाषाओं की अहम भूमिका : कुलपति

खानपुर कलां, चेतना संवाददाता। भगत फूल सिंह महिला विवि के कला एवं भाषा संकाय द्वारा यू.जी.सी. के दिशानिर्देशों के अनुसार महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के उपलक्ष्य में 'भारतीय भाषा उत्सव' का आयोजन किया गया।

महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने इस कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छात्राओं को अपनी जड़ों और भारतीय परंपराओं व सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने में इस प्रकार के कार्यक्रम अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की भाषाई और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए भारतीय भाषाओं को शिक्षा के सभी स्तरों में शामिल करना आवश्यक है।

डीन, कला एवं भाषा संकाय प्रो. अशोक वर्मा ने अपने वक्तव्य में 'भारतीय भाषा उत्सव' के आयोजन के उद्देश्य एवं उसकी महत्ता से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि भाषा विविधता को मनाने और उसमें एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए यह कार्यक्रम महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के दिन 11 दिसंबर को मनाया जाता है। उन्होंने भाषा की शुचिता बरकरार रखने की जरूरत पर बल दिया।प्रारंभ में हिंदी, संस्कृत एवं अंग्रेजी विभागाध्यक्षा प्रो. गीता फोगाट ने स्वागत संबोधन किया और इस वर्ष के भारतीय भाषा उत्सव के थीम भाषाओं के माध्यम से एकता की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह थीम दर्शाता है कि भारत की विविध भाषाई परंपराएं राष्ट्रीय एकता को कैसे प्रोत्साहित करती हैं और एक सामंजस्यपूर्ण समाज का निर्माण करती हैं। प्रो. रवि भूषण ने अपने संबोधन में महाकवि सुब्रमण्यम भारती के जीवन एवं भाषा विकास में उनके योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह उत्सव छात्राओं को भारतीय भाषाओं की समृद्धता को समझने और एक भाषाई रूप से जागरूक और सांस्कृतिक रूप से समावेशी पीढ़ी के निर्माण में योगदान देने का अवसर प्रदान करता है। शोधार्थी अनीश ने अंग्रेजी के बढ़ते प्रयोग के चलते युवा पीढ़ी में हिंदी के प्रति घटते रूझान पर चिंता जाहिर की। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सुकीर्ति ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान प्रो. अमृता, डॉ. अजीत सिंह, बबीता एवं डॉ. पल्लवी सहित हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के शोधार्थी एवं छात्राएं मौजूद रहे।

अपने जीवन को गीता के उपदेशों के अनुसार दें सही दिशा: कुलपति प्रो. सुदेश

ऋषि की आवाज खानपुर कलां। भगत फूल सिंह महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में गीता जयंती के अवसर पर कुरुक्षेत्र के थीम पार्क में आयोजित वैश्विक गीता पाठ में ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। एक मिनट एक साथ गीता पाठ नामक इस वैश्विक गीता पाठ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद सहित अन्य

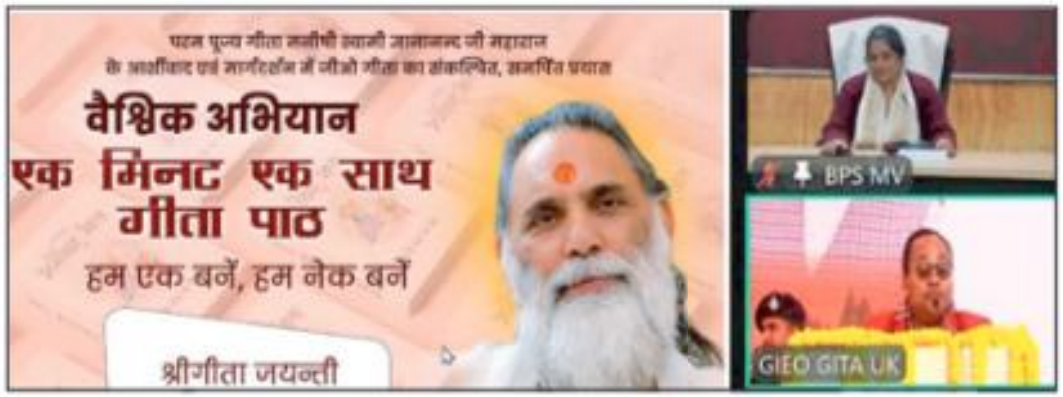

गणमान्य हस्तियों ने शिरकत की। कुलपति प्रो. सुदेश ने विवि हितधारकों के नाम अपने संदेश में कहा कि जीवन के हर पहलू से जुड़ी हुई गीता हमें धर्म, कर्म, योग, भक्ति, और भला-बुरा समझने में मदद करती है। कुलपति ने कहा कि गीता जयंती का महत्व इस बात में है कि हम अपने जीवन को गीता के उपदेशों के अनुसार सही दिशा दे सकें।

उल्लेखनीय है कि इस आयोजन में 18 हजार बच्चों ने एक स्थान पर बैठकर गीता के मंत्रों का उच्चारण किया और पूरे विश्व भर में लगभग डेढ़ करोड़ लोगों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। यह वैश्विक गीता पाठ बांग्लादेश में हिन्दुओं की रक्षा और मंदिरों की सुरक्षा के लिए समर्पित रहा।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat 13.12.2024 - 13 Dec 2024 - Page 3

भागवत गीता धर्म और कर्म को समझने में करती है मदद: वीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

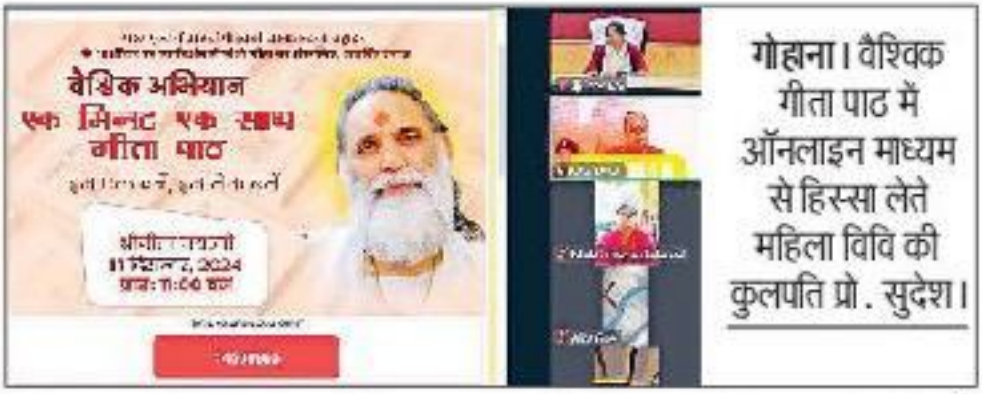

गोहाना। वैश्विक गीता पाठ में ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लेते महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश।

भगत फूल सिंह महिला विवि, खानपुर कलां की कुलपति प्रो. सुदेश ने अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में गीता जयंती के अवसर पर कुरुक्षेत्र के थीम पार्क में आयोजित वैश्विक गीता पाठ में ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। एक मिनट एक साथ गीता पाठ नामक इस वैश्विक गीता पाठ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद सहित अन्य गणमान्य हस्तियों ने शिरकत की। कुलपति प्रो. सुदेश ने विश्वविद्यालय के हितधारकों के नाम अपने संदेश में कहा कि भगवद गीता का संवाद भगवान श्री कृष्ण और अर्जुन के बीच कुरुक्षेत्र की युद्ध भूमि पर हुआ था। जीवन के हर पहलू से जुड़ी हुई गीता हमें धर्म, कर्म, योग, भक्ति, और भला-बुरा समझने में मदद करती है। कुलपति ने कहा कि गीता जयंती का महत्व इस बात में है कि हम अपने जीवन को गीता के उपदेशों के अनुसार सही दिशा दे सकें। उल्लेखनीय है कि इस आयोजन में 18 हजार बच्चों ने एक स्थान पर बैठकर गीता के मंत्रों का उच्चारण किया और पूरे विश्व भर में लगभग डेढ़ करोड़ लोगों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। यह वैश्विक गीता पाठ बांग्लादेश में हिन्दुओं की रक्षा और मंदिरों की सुरक्षा के लिए समर्पित रहा।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat 13.12.2024 - 13 Dec 2024 - Page 3

कार्यक्रम

महिला विवि में महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय भाषा उत्सव

भारतीय भाषा उत्सव के थीम भाषाओं के माध्यम से एकता की जानकारी दी

भाषाई-सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करना हमारी जिम्मेदारी : प्रो. सुदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां के कला एवं भाषा संकाय द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशानिर्देशों के अनुसार भारतीय भाषा उत्सव आयोजित किया गया। यह समारोह महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं दी। कुलपति ने कहा कि भारत की भाषाई और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए भारतीय भाषाओं को शिक्षा के सभी स्तरों में शामिल करना आवश्यक है।

हमारे सांस्कृतिक मूल्य हमारी पहचान हैं। हमें अपने सांस्कृतिम मूल्यों को संजोकर रखने की जरूरत है। इस प्रकार के कार्यक्रम भारतीय परंपराओं व सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने में अहम भूमिका निभाते हैं। डीन, कला एवं भाषा संकाय प्रो. अशोक वर्मा के अनुसार भाषा विविधता को मनाने और उसमें एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए यह कार्यक्रम महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के दिन 11 दिसंबर को मनाया जाता है। उन्होंने भाषा की शुचिता बरकरार रखने की जरूरत पर बल दिया। हिंदी, संस्कृत एवं अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष प्रो. गीता फोगाट ने इस वर्ष के भारतीय भाषा उत्सव के थीम भाषाओं के माध्यम से एकता की जानकारी दी। प्रो. रवि भूषण ने महाकवि सुब्रमण्यम भारती के जीवन एवं भाषा विकास में उनके योगदान को रेखांकित किया। शोधार्थी अनीश ने अंग्रेजी के बढ़ते प्रयोग के चलते युवा पीढ़ी में हिंदी के प्रति घटते रूझान पर चिंता जाहिर की। डॉ. सुकीर्ति ने धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रो. अमृता, डॉ. अजीत सिंह, बबीता एवं डॉ. पल्लवी सहित हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के शोधार्थी एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

उत्सव के दौरान प्राध्यापक एवं छात्राएं।

महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के उपलक्ष्य में 'भारतीय भाषा उत्सव' का आयोजन

गोहाना, 12 दिसम्बर (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कला एवं भाषा संकाय द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) के दिशानिर्देशों के अनुसार महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के उपलक्ष्य में 'भारतीय भाषा उत्सव' का आयोजन किया गया। जिसमें महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि छात्राओं को अपनी जड़ों और भारतीय परंपराओं व सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने में इस प्रकार के कार्यक्रम अहम भूमिका निभाते हैं। डीन, कला एवं भाषा संकाय प्रो. अशोक वर्मा ने कहा कि भाषा विविधता को मनाने और उसमें एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए यह कार्यक्रम महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के दिन 11 दिसम्बर को मनाया जाता है। प्रो. रवि भूषण ने महाकवि सुब्रमण्यम भारती के जीवन एवं भाषा विकास में उनके योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह उत्सव छात्राओं को भारतीय भाषाओं की समृद्धता को समझने और एक भाषाई रूप से जागरूक और सांस्कृतिक रूप से समावेशी पीढ़ी के निर्माण में योगदान देने का अवसर प्रदान करता है। इस अवसर पर प्रो. अमृता, डॉ. अजीत सिंह, बबीता एवं डॉ. पल्लवी सहित हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के शोधार्थी एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
13-Dec-2024
Page: 7
http://www.ajitsamachar.com/20241213/27/7/1_1.cms

Play / Stop Audio

अपने जीवन को गीता के उपदेशों के अनुसार दें सही दिशा: कुलपति प्रो. सुदेश

Girish Saini Dec 12, 2024 08:23 0

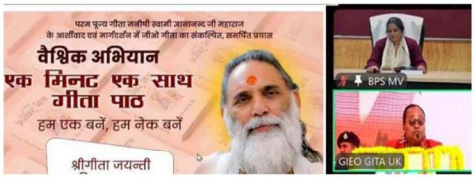

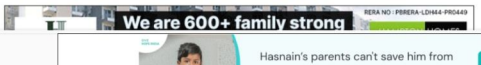

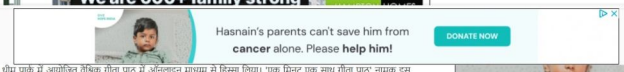

कुरुक्षेत्र के थीम पार्क में आयोजित वैश्विक गीता पाठ में ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। 'एक मिनट एक साथ गीता पाठ' नामक इस वैश्विक गीता पाठ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद सहित अन्य गणमान्य हस्तियों ने शिरकत की।

कुलपति प्रो. सुदेश ने विवि हितधारकों के नाम अपने संदेश में कहा कि जीवन के हर पहलू से जुड़ी हुई गीता हमें धर्म, कर्म, योग, भक्ति, और भला-बुरा समझने में मदद करती है। कुलपति ने कहा कि गीता जयंती का महत्व इस बात में है कि हम अपने जीवन को गीता के उपदेशों के अनुसार सही दिशा दे सकें।

उल्लेखनीय है कि इस आयोजन में 18 हजार बच्चों ने एक स्थान पर बैठकर गीता के मंत्रों का उच्चारण किया और पूरे विश्व भर में लगभग डेढ़ करोड़ लोगों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। यह वैश्विक गीता पाठ बांग्लादेश में हिन्दुओं की रक्षा और मंदिरों की सुरक्षा के लिए समर्पित रहा।

Tags: Give your life right direction | teachings of Gita | VC Prof. Sudesh

RELATED POSTS

क्रिसमस केक कंपटीशन 24 को

सीएम नायब सैनी से मिलकर कुलपति ने दिया जीयू के नए परिसर...

विकसित भारत के मिशन को पूरा करने में शिक्षकों की अग्रणी...

COMMENTS

Name

Name

Email

Email

Comment

Comment

I'm not a robot reCAPTCHA Privacy - Terms

Post Comment

POPULAR POSTS

Weekly Posts

MP govt's sixth Regional Industry Conclave begins in Narmadapuram

Karuna Pandey reflects on the transformative power of love...

"CID has been one of the longest-running shows in India...

Priyanka Chopra, Nick Jonas share a sneak peek into their...

Dance Ka Maha Muqabla: Remo Dsouza is torn in giving his...

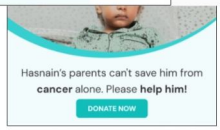

FOLLOW US

Facebook | X (Twitter) | Linkedin | Youtube | Email

RECOMMENDED POSTS

Eating dark, but not milk, chocolate may cut diabetes risk:...

Both Kejriwal, Gandhiji went to jail for a cause: AAP leader...

Exposed after Biden pardons son, 'vulnerable' US justice...

Rahul Gandhi does not have faith in Constitution: Gourav...

Resisting the new colonial masters: How India's sovereignty...

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

Terms & Conditions Privacy Policy

भारत की भाषाई और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में भारतीय भाषाओं की अहम भूमिकाः कुलपति प्रो. सुदेश

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। भगत फूल सिंह महिला विवि के कला एवं भाषा संकाय द्वारा यू.जी.सी. के दिशानिर्देशों के अनुसार महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के उपलक्ष्य में "भारतीय भाषा उत्सव" का आयोजन किया गया।

महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने इस कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छात्राओं को अपनी जड़ों और भारतीय परंपराओं व सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने में इस प्रकार के कार्यक्रम अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की भाषाई और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए भारतीय भाषाओं को शिक्षा के सभी स्तरों में शामिल करना आवश्यक है।

डीन, कला एवं भाषा संकाय प्रो. अशोक वर्मा ने अपने वक्तव्य में "भारतीय भाषा उत्सव" के आयोजन के उद्देश्य एवं उसकी महत्ता से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि भाषा विविधता को मनाने और उसमें एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए यह कार्यक्रम महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के दिन 11 दिसंबर को मनाया जाता है। उन्होंने भाषा की शुचिता बरकरार रखने की जरूरत पर बल दिया।

प्रारंभ में हिंदी, संस्कृत एवं अंग्रेजी विभागाध्यक्षा प्रो. गीता फोगाट ने स्वागत संबोधन किया और इस वर्ष के भारतीय भाषा उत्सव के थीम "भाषाओं के माध्यम से एकता" की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह थीम दर्शाता है कि भारत की विविध भाषाई परंपराएं राष्ट्रीय एकता को कैसे प्रोत्साहित करती हैं और एक सामंजस्यपूर्ण समाज का निर्माण करती हैं।

प्रो. रवि भूषण ने अपने संबोधन में महाकवि सुब्रमण्यम भारती के जीवन एवं भाषा विकास में उनके योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह उत्सव छात्राओं को भारतीय भाषाओं की समृद्धता को समझने और एक भाषाई रूप से जागरूक और सांस्कृतिक रूप से समावेशी पीढ़ी के निर्माण में योगदान देने का अवसर प्रदान करता है।

शोधार्थी अनीश ने अंग्रेजी के बढ़ते प्रयोग के चलते युवा पीढ़ी में हिंदी के प्रति घटते रूझान पर चिंता जाहिर की। कार्यक्रम के अंत में डॉ. सुकीर्ति ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान प्रो. अमृता, डॉ. अजीत सिंह, बबीता एवं डॉ. पल्लवी सहित हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के शोधार्थी एवं छात्राएं मौजूद रहे।

Tags: Indian languages | India's linguistic and cultural heritage

POPULAR POSTS

Weekly Posts

MP govt's sixth Regional Industry Conclave begins in Narmadapuram

"CID has been one of the longest-running shows in India...

Priyanka Chopra, Nick Jonas share a sneak peek into their...

Dance Ka Maha Muqabla: Remo Dsouza is torn in giving his...

FOLLOW US

Facebook | X (Twitter) | Linkedin | Youtube | Email

RELATED POSTS

क्रिसमस केक कंपटीशन 24 को

सीएम नायब सैनी से मिलकर कुलपति ने दिया जीयू के नए परिसर...

विकसित भारत के मिशन को पूरा करने में शिक्षकों की अग्रणी...

COMMENTS

Name

Email

Comment

I'm not a robot

Post Comment

RECOMMENDED POSTS

Eating dark, but not milk, chocolate may cut diabetes risk:...

Both Kejriwal, Gandhiji went to jail for a cause: AAP leader...

Exposed after Biden pardons son, 'vulnerable' US justice...

Rahul Gandhi does not have faith in Constitution: Gourav...

Resisting the new colonial masters: How India's sovereignty...

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

Terms & Conditions Privacy Policy

भारतीय भाषाओं को प्रत्येक स्तर पर शामिल करना जरूरी

महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के उपलक्ष्य में "भारतीय भाषा उत्सव" का आयोजन

गोहाना मुद्रिका न्यूज , 12 दिसम्बर :

बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के कला एवं भाषा संकाय द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) के दिशानिर्देशों के अनुसार महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के उपलक्ष्य में "भारतीय भाषा उत्सव" का आयोजन किया गया।

महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने कहा कि छात्राओं को अपनी जड़ों और भारतीय परंपराओं व सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ना चाहिए। भारत की भाषाई और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए भारतीय भाषाओं को शिक्षा के सभी स्तरों में शामिल करना आवश्यक है।

कला एवं भाषा संकाय के डीन प्रो. अशोक वर्मा ने "भारतीय भाषा उत्सव" के आयोजन के उद्देश्य एवं उसकी महत्ता से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि भाषा विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती को मनाया जाता है। उन्होंने भाषा की शुचिता बरकरार रखने की जरूरत पर बल दिया।

हिंदी, संस्कृत एवं अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष प्रो. गीता फोगाट ने इस वर्ष के भारतीय भाषा उत्सव के थीम "भाषाओं के माध्यम से एकता" की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह थीम दर्शाता है कि भारत की विविध भाषाई परंपराएं राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहित करती हैं और एक सामंजस्यपूर्ण समाज का निर्माण करती हैं।

प्रो. रवि भूषण ने महाकवि सुब्रमण्यम भारती के जीवन एवं भाषा विकास में उनके योगदान को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि यह उत्सव छात्राओं को भारतीय भाषाओं की समृद्धि को समझने और एक भाषाई रूप से जागरूक और सांस्कृतिक रूप से समावेशी पीढ़ी के निर्माण में योगदान देने का अवसर प्रदान करता है।

शोधार्थी अनीश ने अंग्रेजी के बढ़ते प्रयोग के चलते युवा पीढ़ी में हिंदी के प्रति घटते रूझान पर चिंता जाहिर की। इस अवसर पर डॉ. सुकीर्ति, प्रो. अमृता, डॉ. अजीत सिंह, बबीता एवं डॉ. पल्लवी सहित हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के शोधार्थी एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

वी.सी. ने वैश्विक गीता पाठ में ऑनलाइन लिया हिस्सा

गोहाना मुद्रिका न्यूज , 12 दिसम्बर :

बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में गीता जयंती के अवसर पर कुरुक्षेत्र के थीम पार्क में आयोजित वैश्विक गीता पाठ में ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। 'एक मिनट एक साथ गीता पाठ' नामक इस वैश्विक गीता पाठ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद सहित अन्य गणमान्य हस्तियों ने शिरकत की।

प्रो. सुदेश ने विश्वविद्यालय के हितधारकों के नाम अपने संदेश में कहा कि भगवद गीता का संवाद भगवान श्री कृष्ण और अर्जुन के बीच कुरुक्षेत्र की युद्ध भूमि पर हुआ था। उन्होंने कहा कि जीवन के हर पहलू से जुड़ी हुई गीता हमें धर्म, कर्म, योग, भक्ति, और भला-बुरा समझने में मदद करती है। वी.सी. ने कहा कि गीता जयंती का महत्व इस बात में है कि हम अपने जीवन को गीता के उपदेशों के अनुसार सही दिशा दे सकें।